ओ३म्

गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय) हरिद्वार

(यू.जी.सी. एक्ट 1956 के सेक्शन 3 के अन्तर्गत समविश्वविद्यालय)

Gurukula Kangri (Deemed to be University) Haridwar

(Deemed to be University u/s 3 of UGC Act 1956)

शिक्षा पटल की कार्यवाही

स्थान : सीनेट हॉल सभागार **तिथि** : फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि (23 फरवरी, 2026) **समय** : अपराह्न 03.00

समविश्वविद्यालय में भारत सरकार/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (समविश्वविद्यालय संस्थान) के अनुरूप गठित शिक्षा पटल की बैठक मा० कुलपति जी की अध्यक्षता में आहुत की गयी जिसमें निम्न महानुभाव उपस्थित रहे :

क्र.सं.	नाम शिक्षक	विभाग/संकाय
1.	प्रो० प्रतिभा मेहता लूथरा	मा० कुलपति जी
2.	प्रो० वाई.पी. सिंह	शिक्षाविद्/विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
3.	डॉ० अमित भरू	शिक्षाविद्/विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
4.	प्रो० विनय विद्यालंकार	शिक्षाविद्/विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
5.	प्रो० श्रवण कुमार शर्मा	शिक्षाविद्/विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
6.	प्रो० सत्यप्रकाश शर्मा	शिक्षाविद्/विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
7.	श्री आर.एस. मीणा	शिक्षाविद्/विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
8.	प्रो० विनोद कुमार सिंह	वित्ताधिकारी, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं प्रोफेसर, प्रबन्ध अध्ययन विभाग
9.	प्रो० लक्ष्मी प्रसाद पुरोहित	परीक्षा नियंत्रक एवं विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग
10.	डॉ0 श्वेतांक आर्य	उपकुलसचिव, विशेष आमंत्रित
11.	प्रो० देवेन्द्र कुमार गुप्ता	संकायाध्यक्ष, प्राच्य विद्या संकाय, विभागाध्यक्ष, प्रा०भा०इ०,सं० एवं पुरातत्व, वेद, दर्शन विभाग एवं ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विभाग
12.	प्रो० मुदिता अग्निहोत्री	संकायाध्यक्ष, मानविकी संकाय, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी एवं हिन्दी विभाग
13.	प्रो० निपुर सिंह	संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय
14.	प्रो० नमिता जोशी	संकायाध्यक्ष, जीव विज्ञान संकाय एवं विभागाध्यक्ष, जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग
15.	प्रो० सुरेखा राणा	संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, प्रबन्ध अध्ययन संकाय प्रबन्ध अध्ययन विभाग
16.	प्रो० मयंक अग्रवाल	संकायाध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विज्ञान, इलैक्ट्रीकल एवं मैकेनिकल विभाग
17.	प्रो० देवेन्द्र सिंह मलिक	संकायाध्यक्ष, भेषज विज्ञान विभाग
18.	प्रो० मुकेश कुमार	संकायाध्यक्ष शिक्षा एवं प्रशिक्षण संकाय, विभागाध्यक्ष, वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
19.	प्रो० सत्यदेव निगमालंकार	संकायाध्यक्ष योग एवं शारीरिक शिक्षा संकाय एवं विभागाध्यक्ष श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान तथा योग विज्ञान विभाग
20.	प्रो० हेमन पाठक	कोऑडिनेटर, कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून एवं विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर विज्ञान विभाग
21.	प्रो० सीमा शर्मा	विभागाध्यक्ष, गणित एवं सांख्यिकी विभाग तथा डीन, एकेडमिक, विशेष आमंत्रित सदस्य
22.	डॉ० कपिल गोयल	प्रभारी, भेषज विज्ञान विभाग
23.	प्रो० अंजली गोयल	विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, अनुपस्थित
24.	प्रो० ब्रह्मदेव	विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग
25.	डॉ० अजय मलिक	प्रभारी, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग
26.	डॉ० मुरली मनोहर तिवारी	विभागाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग
27.	प्रो० विपुल शर्मा	विभागाध्यक्ष, इलैक्ट्रानिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग
28.	डॉ० अरूण कुमार	विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग
29.	प्रो० विवेक कुमार	प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान, अनुपस्थित
30.	प्रो० पंकज मदान	प्रोफेसर, प्रबन्ध अध्ययन विभाग
31.	प्रो० प्रवीणा चतुर्वेदी	प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग(ऑनलाईन)
32.	प्रो० राकेश कुमार	प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग एवं निदेशक, एन०ई०पी०, विशेष आमंत्रित सदस्य
33.	प्रो० रामप्रकाश वर्णी	प्रोफेसर, श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान विभाग
34.	प्रो० नवनीत	प्रोफेसर, वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
35.	प्रो० कर्मजीत भाटिया	प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग तथा निदेशक, प्रवेश प्रक्रिया, विशेष आमंत्रित सदस्य
36.	प्रो० प्रभात कुमार	प्रोफेसर, प्रा०भा०इ०,सस्कृति एवं पुरातत्व विभाग
37.	प्रो० रेणु शुक्ला	प्रोफेसर, प्रा०भा०इ०,सस्कृति एवं पुरातत्व विभाग (ऑनलाईन)

38.	प्रो० विनोद कुमार सिंह	प्रोफेसर, प्रबन्ध अध्ययन विभाग
39.	डॉ० राज कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग
40.	डॉ० मनोज कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर, गणित एवं सांख्यिकी विभाग
41.	डॉ० आभा शुक्ला	एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग
42.	डॉ० निधि हाण्डा	एसोसिएट प्रोफेसर, गणित एवं सांख्यिकी विभाग
43.	डॉ० संगीता मदान	एसोसिएट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग
44.	डॉ० बबीता शर्मा	असिस्टेंट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग
45.	डॉ० सुनीता रानी	असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग
46.	डॉ० रीतू अरोड़ा	असिस्टेंट प्रोफेसर, गणित एवं सांख्यिकी विभाग
47.	डॉ० ऋचा सैनी	असिस्टेंट प्रोफेसर, भौतिकी विज्ञान विभाग
48.	डॉ० हिमांशु गुप्ता	असिस्टेंट प्रोफेसर, भौतिकी विज्ञान विभाग
49.	प्रो० सत्येन्द्र राजपूत	भेषज विज्ञान विभाग, विशेष आमंत्रित
50.	प्रो० बिन्दु अरोड़ा	प्रबन्ध अध्ययन विभाग, विशेष आमंत्रित
51.	डॉ० सुहास	डीन, रिसर्च एण्ड डवलपमेंट, विशेष आमंत्रित सदस्य (ऑनलाईन)
52.	डॉ० राकेश भूटियानी	निदेशक, आई०क्यू०ए०सी० सैल, विशेष आमंत्रित सदस्य
53.	डॉ0 हरीशचन्द्र	वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, विशेष आमंत्रित
54.	डॉ० भगवानदास जोशी	प्रभारी, ज्योतिषविज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड
55.	डॉ0 महेन्द्र असवाल	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, विशेष आमंत्रित
56.	डॉ0 सविता	कम्प्यूटर विज्ञान, क0गु0परिसर, देहरादून, विशेष आमंत्रित (ऑनलाईन)
57.	डॉ0 अंकित कुमार	गेस्ट फैकल्टी, योग विज्ञान विभाग, विशेष आमंत्रित सदस्य
58.	डॉ0 संयोगिता	फिक्स वेतनमान, योग विज्ञान विभाग, विशेष आमंत्रित
59.	प्रो0 दिनेश चन्द्र शास्त्री	वेद विभाग, विशेष आमंत्रित
60.	डॉ0 संदीप कुमार	वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
61.	श्री गजेन्द्र सिंह रावत	विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, विशेष आमंत्रित
62.	डॉ0 संजीव कुमार लाम्बा	मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, विशेष आमंत्रित
63.	डॉ0 विनित कुमार विश्नोई	वनस्पति एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, विशेष आमंत्रित
64.	श्री रवि प्रताप	भेषज विज्ञान विभाग, विशेष आमंत्रित
65.	श्री रोहित भारद्वाज	भेषज विज्ञान विभाग, विशेष आमंत्रित
66.	डॉ0 चिरंजीव बैनर्जी	वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, विशेष आमंत्रित
67.	डॉ0 कृष्ण कुमार	सहायक परीक्षा नियंत्रक, विशेष आमंत्रित
68.	डॉ0 विपुल भट्ट	अर्थशास्त्र विभाग, विशेष आमंत्रित
69.	डॉ0 दिलिप कुशवाहा	सहायक परीक्षा नियंत्रक, विशेष आमंत्रित
70.	डॉ0 नितिन भारद्वाज	जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग, विशेष आमंत्रित
71.	श्री रंजीत कुमार	जे0ई0, विशेष आमंत्रित
72.	डॉ0 ममता यादव	संगीत विभाग, विशेष आमंत्रित (ऑनलाईन)
73.	प्रो० सत्यदेव निगमालंकार	कुलसचिव / संयोजक

ईश्वर की प्रार्थना के साथ बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ हुई।

कुलसचिव द्वारा नवनियुक्त मा० कुलपति प्रो० प्रतिभा मेहता लुथरा तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। मा० कुलपति जी की अनुमति से कुलसचिव प्रो० सत्यदेव निगमालंकार द्वारा परीक्षा नियंत्रक प्रो० लक्ष्मी प्रसाद पुरोहित को प्रस्ताव सदन के समक्ष प्रस्तुत किये जाने हेतु आमंत्रित किया। परीक्षा नियंत्रक द्वारा प्रस्ताव सदन के समक्ष प्रस्तुत किये गए। प्रस्तावों पर लिए गए निर्णयों का विवरण निम्नवत है :

प्रस्ताव संख्या–01	श्री संजय पारे (सेमी प्रोफेसनल असिस्टेंट, लाईब्रेरी) के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि।
	सदन द्वारा दो मिनट मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।
प्रस्ताव संख्या–02	नए सदस्यों का स्वागत ।
	सदन में नए सदस्यों का स्वागत किया गया। **संकायाध्यक्ष / विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर का नाम :–** 1. **प्रो० मुदिता अग्निहोत्री** मानविकी संकाय एवं विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी, हिन्दी, मनोविज्ञान 2. **प्रो० विनोद कुमार सिंह**, प्रोफेसर **विशेष आमंत्रित सदस्य :** 1. **प्रो० विनोद कुमार सिंह** (वित्ताधिकारी) 2. **प्रो० सीमा शर्मा** (डीन, एकेडमिक अफेयर्स) 3. **प्रो० राकेश कुमार** (समन्वयक, एन.ई.पी.) 4. **प्रो० कर्मजीत भाटिया** (निदेशक, प्रवेश प्रक्रिया) 5. **डॉ० सुहास,** (निदेशक, रिसर्च एवं डवलपमेंट) 6. **डॉ० श्वेतांक आर्य,** उपकुलसचिव

	7. **प्रो0 सत्येन्द्र राजपूत, भेषज विज्ञान विभाग** 8. **प्रो० बिन्दु अरोड़ा, प्रबन्ध अध्ययन विभाग** 9. **डॉ0 महेन्द्र सिंह असवाल,** कम्प्यूटर विज्ञान विभाग 10. **डॉ0 हरीश चन्द्र,** वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग 11. **डॉ0 सविता,** कम्प्यूटर विज्ञान विभाग 12. **डॉ0 राकेश भूटियानी** (निदेशक, आई.क्यू.ए.सी. सैल) 13. **डॉ0 भगवानदास जोशी** (प्रभारी, ज्योतिषविज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड) 14. **डॉ0 अंकित कुमार** (गेस्ट फैकल्टी) (योग विज्ञान विभाग) 15. **डॉ0 संयोगिता,** फिक्स वेतनमान, योग विज्ञान विभाग, देहरादून
प्रस्ताव संख्या–03	शिक्षा पटल की गत बैठक दिनांक 16.12.2025 की कार्यवाही का अनुमोदन। कार्यवाही सम्पुष्ट हुई।
प्रस्ताव संख्या–04	शिक्षा पटल की गत बैठक दिनांक 16.12.2026 में पारित प्रस्तावों (प्रस्ताव 03 (14, 23), 09, 10, 11, 14, 15, 17, 18, 19 व पूरक प्रस्ताव 1, 2, 3, 9) पर क्रियान्वयन तथा प्रस्ताव 03 (08, 11), 04 पर कार्यवाही।
	प्र.सं. 03 (4) प्र.सं. 04 के दिनांक 23.11.2024 के पूरक प्र.सं. 02 कन्या गुरुकुल परिसर हरिद्वार में संचालित बी0टैक (कम्प्यूटर विज्ञान) पाठ्यक्रम के संबंध में कुलपति महोदया ने कहा कि उक्त पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित भवन, लैब इत्यादि की व्यवस्था के उपरान्त ही भविष्य में प्रवेश दिये जा सकेंगे। उक्त संदर्भ में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि छात्राओं हेतु आगामी सत्र में नए प्रवेश न दिये जाए तथा जिन छात्राओं का बी0टैक (कम्प्यूटर विज्ञान) पाठ्यक्रम में अध्ययन चल रहा है वह यथावत् जारी रहेगा। **प्र.सं. 03 (14)** कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून में एम0एस–सी0 (कम्प्यूटर विज्ञान) जिसे पूर्व में एम0टैक (कम्प्यूटर विज्ञान) लिखा गया था, संशोधित कर इसे प्रारम्भ किए जाने पर सदन में कम्प्यूटर विज्ञान विभाग की संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष प्रो0 निपुर सिंह ने कहा कि उक्त पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु स्थान और संसाधनों (कम्प्यूटर लैब इत्यादि) की पर्याप्त व्यवस्था है। आगामी सत्र से एम0एस–सी0 कम्प्यूटर विज्ञान विभाग में संचालित किया जा सकता है। प्रो0 निपुर सिंह ने कहा कि एम0एस–सी0 पाठ्यक्रम प्रारम्भ होने से कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून में छात्राओं की संख्या में वृद्धि होगी और आय के स्रोत भी खुल जायेंगे। उक्त पाठ्यक्रम स्ववित्त पोषित योजना के अन्तर्गत संचालित होगा। प्रस्ताव सर्वसम्मति से सम्पुष्ट हुआ। **प्र.सं. 03 (14) पी–एच0डी0 शोध प्रबन्ध के माध्यम में संस्कृत–अनिवार्यता की बाध्यता को समाप्त करने पर विचार।** उक्त प्रस्ताव के संदर्भ में सदन में प्रो0 ब्रह्मदेव ने कहा कि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में संस्कृत विषय में शोध कार्य संस्कृत भाषा में ही होता है जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), श्रीनगर, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ तथा अन्य विश्वविद्यालयों में भी हिन्दी भाषा में शोध प्रबन्ध लिखा जाता है। इस संदर्भ में मा0 कुलपति प्रो0 प्रतिभा मेहता लूथरा ने सदन के समक्ष रखा कि संस्कृत विषय में हो रहे शोध ग्रन्थ की भाषा संस्कृत भाषा में ही होनी चाहिए। **सदन में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संस्कृत विभाग के शोधार्थियों का संस्कृत भाषा में शोध प्रबंध जमा होना चाहिए।** **प्रस्ताव संख्या 09** अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में संचालित अप्लायड साइंस (भौतिकी, रसायन एवं गणित) विभाग के अन्तर्गत शोधरत छात्र/छात्राओं को संबंधित विषय भौतिकी, रसायन एवं गणित में पी–एच0डी0 उपाधि के संदर्भ में मा0 कुलपति महोदया ने कहा कि एप्लाइड साइंस (भौतिकी/रसायन विज्ञान/गणित) विषय में पी–एच0डी0 में प्रवेश लेने पर एप्लाइड साइंस (भौतिकी/रसायन विज्ञान/गणित) विषय की ही उपाधि दी जाएगी। **प्रस्ताव संख्या 10** हिन्दी विभाग से प्राप्त प्रार्थना पत्र जिसमें हिन्दी विषय में डी.लिट् विषय को विभाग में प्रोफेसर की नियुक्ति होने तक प्रवेश न दिए पर विचार। उक्त प्रस्ताव सम्पुष्ट किया गया। तथापि मा0 कुलपति जी ने डी–एस0सी0/डी0लिट् पाठ्यक्रम के सन्दर्भ में एक समिति का गठन किया जिसमें प्रो0 दिनेशचन्द्र शास्त्री, अध्यक्ष, प्रो0 मुकेश कुमार, सदस्य, प्रो0 पंकज मदान, सदस्य, सहायक कुलसचिव शिक्षा अनुभाग संयोजक होंगे। **प्रस्ताव संख्या 11** हिन्दी विभाग के अन्तर्गत संचालित बी0जे0 (Bachelor in Journalism) पाठ्यक्रम का नाम परिवर्तित कर पी0जी0 डिप्लोमा हिन्दी पत्रकारिता किए जाने पर सम्पुष्टि प्रदान की गयी। **प्रस्ताव संख्या 14** पी–एच0डी0 प्रवेश प्रक्रिया के लिए शोध प्रवेश परीक्षा (RET) की समीक्षा हेतु गठित समिति की रिपोर्ट को सर्वसम्मति से सम्पुष्ट किया गया कि RET न आयोजित कर नेट के आधार पर प्रवेश दिया जाए। उक्त संदर्भ में सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ0 कृष्ण कुमार ने सदन के समक्ष रखा कि नेट की परीक्षा तीन पायदानों को लेकर हो रही है, जिसमें प्रथम शोध कार्य, द्वितीय असिस्टेंट प्रोफेसर एवं तृतीय नेट (जे.आर.एफ.)। इसलिए अलग से RET आयोजन करवाने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है। **प्रस्ताव संख्या 15** शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग में कार्यरत प्राध्यापकों (डॉ0 शिव कुमार चौहान, डॉ0 प्रणवीर सिंह, डॉ0 कपिल मिश्रा, डॉ0 अनुज कुमार(अनुबन्ध) को यू0जी0सी0 के नियमानुसार केवल सह–शोध निर्देशक बनाये जाने की सम्पुष्टि की गयी। इस संदर्भ में यह प्रस्ताव सदन में आया कि जो शिक्षक न्यूनतम तीन वर्ष समविश्वविद्यालय में

संविदा के रूप में कार्य कर रहे हैं, उन्हें शोध–निर्देशक बनाया जा सकता है। इस संबंध में यह निर्णय लिया गया कि इस पर विचार–विमर्श आगामी शिक्षा पटल की बैठक में किया जाएगा।

प्रस्ताव संख्या 17 संकायाध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा प्रेषित पत्र के निम्न बिन्दुओं पर विचार

i) सत्र 2026–27 से उपरोक्त पाठ्यक्रम खोलने का प्रस्ताव :

- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा Working Professional के लिए 30 सीटें।
- बी0टैक (इलेक्ट्रोनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग) में Very Large Scale Integration (VLSI) Specialisation के लिए 30 सीटें।
- बी0टैक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) में Robotics & Automation के लिए 30 सीटें।
- कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग में M.Tech. (Working Professional) के लिए 18 सीटें।

ii) अनुप्रयुक्त विज्ञान (भौतिकी, रसायन एवं गणित) विभाग के अन्तर्गत पी–एच0डी0 कोर्स की उपाधि में विषय का विवरण भी प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है।

iii) समविश्वविद्यालय में Adhoc Teaching & Non Teaching Staff के लिए पी–एच0डी0 में प्रवेश हेतु 02 वर्ष के अनुभव की बाध्यता समाप्त किए जाने पर विचार।

उपर्युक्त बिन्दु (i) & (ii) सर्वसम्मति से सम्पुष्ट हुए।

बिन्दु संख्या (iii) समविश्वविद्यालय में Adhoc Teaching & Non Teaching Staff के लिए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समविश्वविद्यालय में कार्यरत स्टाफ को अवकाश लेकर शोध कार्य करना होगा।

प्रस्ताव संख्या 18 सेवानिवृत्त प्राध्यापकों के निर्देशन में शोधरत अभ्यर्थियों के संदर्भ में सदन में यह निर्णय लिया गया कि सेवानिवृत्त शिक्षकों के निर्देशन में शोधार्थियों को विभाग में वर्तमान में कार्यरत अध्यापकों के निर्देशन में समायोजित किया जाएगा। सदन में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि किसी वर्तमान प्राध्यापक के अधीन शोध निर्देशन हेतु कोई सीट उपलब्ध नहीं है तो सेवानिवृत्त प्राध्यापकों के निर्देशन में कार्यरत शोधार्थियों को सुपरन्यूमेरेरी (Supernumerary) सीट के अन्तर्गत समायोजित किया जाएगा।

प्रस्ताव संख्या 19 : भेषज विज्ञान विभाग द्वारा प्रेषित पत्र के निम्न बिन्दुओं पर विचार

1. बी.फार्मा, एम.फार्मा और डी.फार्मा कार्यक्रमों में व्यावहारिक परीक्षाओं के लिए बाह्य परीक्षक प्रणाली को सुदृढ़ बनाना।(Reinforcement of External Examiner System for Practical Examinations in B.Pharm., M.Pharm and D.Pharm Programmes).
2. अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रथाओं के अनुरूप ग्रेस मार्क्स प्रावधान को शामिल करने का प्रस्ताव। (Proposal for Inclusion of Grace Marks Provision in line with practices followed by other Universities).
3. सभी सेमेस्टरों के लिए एक तीसरे विशेष आंतरिक मूल्यांकन की शुरुआत। (Introduction of a Third Special Internal Assessment for all semesters).
4. उपरोक्त प्रस्तावों को लागू करने के लिए परीक्षा अध्यादेश में आवश्यक संशोधन किए जाएं। (Required amendments in the Examination Ordinance to implement the above proposals).

उक्त संदर्भ में बिन्दु संख्या 01 सर्वसम्मति से सम्पुष्ट हुआ।

बिन्दु संख्या 2–4 के संदर्भ में गठित समिति की रिपोर्ट को समिति के सदस्य डॉ0 कपिल गोयल ने सदन के पटल पर रखा और कहा कि जिन की एक विषय में बैक है उन्हें 05 नम्बर का ग्रेस दिया जाएगा। डॉ0 राजकुमार भाटिया ने कहा कि ग्रेस की सुविधा जिन प्रश्नपत्रों में अनुतीर्ण है उनकी संख्या कितनी होगी उसका स्पष्ट विवरण भी प्रस्तुत किया जाए। मा0 कुलपति ने निर्देश दिया कि उक्त हेतु कमेटी इस पर पुनर्विचार करेगी।

पूरक प्रस्ताव संख्या 01 ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विभाग में एक वर्षीय पी0जी0 डिप्लोमा (वास्तुविज्ञान एवं ज्योतिर्विज्ञान) एवं बी0ए0 कक्षा में ज्योतिर्विज्ञान का पाठ्यक्रम सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।

पूरक प्रस्ताव संख्या 02 सहायक परीक्षा नियंत्रक द्वारा प्रेषित पत्र को सर्वसम्मति से सम्पुष्ट किया गया।

पूरक प्रस्ताव संख्या 03 विभागाध्यक्ष द्वारा पूर्व में प्रेषित जिसमें अतिथि/तदर्थ प्राध्यापक/प्राध्यापिका को असि0प्रो0 के वेतनमान की मूल वेतन ही कम से कम दिए जाने की व्यवस्था अथवा न्यूनतम पैतालीस हजार किए जाने पर पुनः विचार किया गया। बैठक में उक्त हेतु एक समिति का गठन किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी।

पूरक प्रस्ताव संख्या 09 समविश्वविद्यालय में निम्न पाठ्यक्रम संचालित किए जाने पर विचार :

1. बी0एस–सी0 बायोमेडिकल साइंस (ऑनर्स) (B.Sc. Biomedical Science (Honours))
2. बी0एस–सी0 फारेंसिक साइंस एण्ड क्रिमीनोलॉजी (B.Sc. Forensic Science & Criminology)
3. बी0एस–सी0 फूड टैक्नोलॉजी एण्ड न्यूट्रीशियन (B.Sc. Food Technology & Nutrition)
4. बी0एस–सी0 नर्सिंग (ऑनर्स) (B.Sc. Nursing (Honours))
5. बी0टैक बॉयोमेडिकल इंजीनियरिंग (B.Tech Biomedical Engineering)
6. एल0एल0बी0 (LLB)
7. कला प्रदर्शन में स्नातक (नृत्य एवं संगीत) (UG PROGRAM in Performing Arts (Dance and Music))
8. एम0एस–सी0 स्टेम सेल थेरेपी और ट्रांसफॉर्मेशनल न्यूरोसाइंस (M.Sc. Stem Cell Therapy and transformational Neuroscience)

उपर्युक्त के बिन्दु संख्या 01–02 B.Sc. Biomedical Science (Honours) के संदर्भ में डॉ0 कपिल गोयल ने सदन को अवगत कराया कि भेषज विज्ञान में उक्त पाठ्यक्रम का संचालन किया गया था

	लेकिन छात्रों की कमी के कारण पूर्व में उक्त पाठ्यक्रम बंद कर दिया गया है। उक्त संदर्भ में. मा0 कुलपति जी ने सदन के समक्ष पाठ्यक्रम को बंद करने का कारण जानना चाहा लेकिन उन्होंने कहा कि क्या पुनः यह पाठ्यक्रम संचालित किया जा सकता है। भेषज विज्ञान विभाग की ओर से प्रस्ताव दिया गया कि वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में **उक्त पाठ्यक्रम को संचालित किया जा सकता है।** उक्त के बिन्दु संख्या 03 B.Sc. Forensic Science & Criminology के संदर्भ में प्रो0 देवेन्द्र सिंह मलिक ने उक्त प्रस्ताव को सदन के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे मा0 कुलपति ने पाठ्यक्रम के बारे में विस्तार से रखा। लेकिन पाठ्यक्रम को यथावत चलाने के लिए कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उक्त के बिन्दु संख्या 04 B.Sc. Food Technology & Nutrition के संदर्भ में वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के डॉ0 चिरंजीव बेनर्जी ने सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि B.Sc. Food Technology & Nutrition के नाम से उक्त पाठ्यक्रम को B.Sc. Food & Nutrition से चलाया जा सकता है। वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 मुकेश कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि Food & Nutrition पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए स्टाफ की आवश्यकता पड़ेगी और इसी विषय के अध्यापकों की नियुक्ति करना होगा। मा0 कुलपति ने कहा कि पाठ्यक्रम संचालित किया जाना है। उक्त के बिन्दु संख्या 05 B.Sc. Nursing (Honours) के संदर्भ में सदन में असहमति बनी। उक्त के बिन्दु संख्या 06 B.Tech Biomedical Engineering के संदर्भ में डॉ0 संजीव लाम्भा ने पाठ्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि उक्त पाठ्यक्रम की विषय वस्तु को तैयार कर लिया गया है इसकी स्वीकृति से संबंधित प्रो0 मयंक अग्रवाल सदन को बताया कि उक्त पाठ्यक्रम आवश्यक सुविधाएं जुटाकर आरम्भ किया जा सकता है। उक्त के बिन्दु संख्या 07 L.L.B. के संदर्भ में उपकुलसचिव डॉ0 श्वेतांक आर्य ने सदन को अवगत कराया कि किसी भी संस्थान को उक्त पाठ्यक्रम को प्रारम्भ करने के पहले पंजीकरण शुल्क लगभग रुपये 50,000/– शुल्क तथा 4 लाख रुपये प्रतिवर्ष जमा करना होगा तदुपरान्त अग्रिम कार्यवाही होगी। उक्त के बिन्दु संख्या 08 UG PROGRAM in Performing Arts (Dance and Music) उक्त प्रस्ताव सर्वसम्मति से सम्पुष्ट हुआ। उक्त के बिन्दु संख्या 09 M.Sc. Stem Cell Therapy and transformational Neuroscience उक्त प्रस्ताव में आवश्यक सुविधाएं जुटाकर आरम्भ किया जा सकता है।
प्रस्ताव संख्या–05	समविश्वविद्यालय में दिसम्बर 2025 से फरवरी 2026 तक घोषित परीक्षा परिणामों का अनुमोदन।
	समविश्वविद्यालय में दिसम्बर 2025 से फरवरी 2026 तक घोषित परीक्षा परिणामों की सम्पुष्टि की गयी।
प्रस्ताव संख्या–06	शोध उपाधि अधिसूचना (दिसम्बर 2025 व जनवरी 2026) का अनुमोदन।
	शोध उपाधि अधिसूचना (दिसम्बर 2025 व जनवरी 2026) की सम्पुष्टि की गयी।
प्रस्ताव संख्या–07	डी.लिट् (जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग) में प्रवेशित प्राध्यापक (डॉ0 मनोज कुमार) की गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समयावधि अधिकतम 03 वर्ष समाप्त हो गयी है। उक्त पाठ्यक्रम की समयावधि बढ़ाए जाने पर विचार।
	सदन में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि डी.लिट् एवं डी.एस–सी. में प्रविष्ट सभी अभ्यर्थियों को रु 25,000/– शुल्क के साथ अधिकतम 01 वर्ष का समयावधि विस्तार दिया जाए।
प्रस्ताव संख्या–08	प्रो0 पंकज मदान, एन.आर.आई.एफ. के Coordinator/समन्वयक द्वारा प्रेषित "Quantitative Targets for Better GKV Rankings" पर विचार
	उक्त के संदर्भ में प्रो0 पंकज मदान, एन.आर.आई.एफ. के समन्वयक द्वारा प्रेषित "Quantitative Targets for Better GKV Rankings" पर विस्तृत चर्चा के दौरान प्रोफेसर मदान ने बताया की विश्वविद्यालय को अगर विभिन्न यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स में अच्छी रैंक चाहिए तो शिक्षक वर्ग, विश्वविद्यालय एडमिनिस्ट्रेशन एवं अन्य को किन कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर अग्रसर होना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के 50 प्रतिशत एकेडमिक प्रोग्राम्स में 1 प्रतिशत से ज्यादा IKS का कंपोनेंट होना चाहिए, हर प्रोग्राम में दो से ज्यादा वैल्यू ऐडेड स्किल कोर्सेज सम्मिलित होने चाहिए, स्टूडेंट टीचर अनुपात 1:20 से कम होना चाहिए, 80 प्रतिशत फुल टाइम फेकल्टी होनी चाहिए और 90 प्रतिशत फेकेल्टी PhD होनी चाहिए। हर विभाग में एक funded प्रोजेक्ट होना चाहिए, हर फेकल्टी को हर वर्ष कम से कम दो पेपर इंडैक्स जर्नल्स (Index Journals) में लगातार 5 साल तक पब्लिश करने होंगे और उन पर काम से कम तीन साइटेशन (Citation) हर पेपर पर आने चाहिए। विश्वविद्यालय के पास 20 से ज्यादा कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट होने चाहिए, हर वर्ष 10–15 पेटेंट्स (Patents) होने चाहिए, हर विभाग के पास एक Funded प्रोजेक्ट होना चाहिए और विश्वविद्यालय के पास कम से कम 2 इन्नोवेशन लैब्स होनी चाहिए जिसके लिए विश्वविद्यालय को फंड सभी विभागों को देने होंगे, इसके साथ–साथ लाइब्रेरी को ई–रिसोर्सेस डाटाबेस लेने के लिए और हर क्लास को डिजिटाइज़ करने के लिए, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम खरीदने के लिए फंड भी मोहिया कराने होंगे। यह सभी कार्यों को पूरा करने के लिए IQAC को एक एक्शन प्लान तैयार कर बताना होगा की कैसे हम यह टारगेट 5 वर्ष में

	हासिल कर सकते हैं, विस्तृत एक्शन प्लान तैयार कर एग्जामिनेशन कंट्रोलर, डीन एकेडमिक्स, फंक्शनल डीन, विभिन्न विभागों को हेड्स और सभी टीचर्स के साथ साझा करना होगा और उसका क्रियान्वन विश्वविद्यालय प्रशासन को करना होगा। चर्चाओं के बाद कुलसचिव प्रो0 सत्यदेव निगमालंकर ने कहा कि इस कार्य के लिए प्रोफेसर मदान का एक गाइडिंग लेक्चर आई.क्यू.ए.सी. द्वारा सभी शिक्षकों के लिए आयोजित करना उचित रहेगा ताकि वह इस संदर्भ में और जानकारी हासिल कर सके। कुलपति प्रोफेसर प्रतिभा मेहता लूथरा ने कहा कि अगर विश्वविद्यालय को अच्छी रैंकिंग हासिल करनी है और इंटरनेशनल रैंकिंग्स जैसे QS रैंकिंग में रैंक हासिल करनी है तो यह सारे कार्य हमें तत्परता से करने होंगे इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जो भी कार्य होने हैं वह जरूर करवाएं जाएंगे। **सदन ने उक्त प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त करते हुए इन्हें आई.क्यू.ए.सी. के माध्यम से क्रियान्वित करने को कहा।**
प्रस्ताव संख्या–09	मा0 कुलपति जी के आदेशानुसार शिक्षा पटल की बैठक दिनांक 16.12.2025 के प्रस्ताव संख्या 17 (iii) समविश्वविद्यालय में Adhoc Teaching & Non Teaching Staff के लिए पी–एच0डी0 में प्रवेश हेतु 02 वर्ष के अनुभव की बाध्यता पर पुनः पर विचार।
	समविश्वविद्यालय में Adhoc Teaching & Non Teaching Staff के लिए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समविश्वविद्यालय में कार्यरत स्टाफ को अवकाश लेकर शोध कार्य करना होगा। अंत में उपकुलसचिव डॉ0 श्वेतांक आर्य ने सदन के समक्ष रखा कि उक्त संदर्भ में एक समिति का गठन कर पुर्नविचार किया जा सकता है।
प्रस्ताव संख्या–10	**प्रो० राकेश कुमार, समन्वयक, एन0ई0पी0 द्वारा प्रेषित निम्न बिन्दुओं पर विचार :** 1. स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और क्रेडिट फ्रेमवर्क को अपनाना–2024। (Adoption of Curriculum and Credit Framework for PG Programmes-2024). 2. पाठ्यक्रम एवं ऋण ढांचा–2024 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की संरचना संबंधी समिति की सिफारिशों को मंजूरी। (Approval of the recommendations of Committee on Structure of PG Programmes bases on Curriculum and Credit Framework-2024 and NEP 2020). 3. स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए परीक्षाध्मूल्यांकन योजना–2026 संबंधी समिति की सिफारिशों को मंजूरी। (Approval of recommendations of the committee for Scheme of Examination/ Assessment-2026 for PG Programmes). 4. एनईपी 2.0 के स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक उत्तरदायित्व पर अनिवार्य 2 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए दिशानिर्देशों और पाठ्यक्रम मॉड्यूल का कार्यान्वयन, मूल्यांकन मानदंडों सहित। (Implementation of guidelines and course modules with assessment criteria For mandatory 2 credit course on COMMUNITY ENGAGEMENT AND SOCIAL RESPONSIBILITY for UG Courses in NEP 2.0).
	उक्त के संदर्भ में प्रो0 राकेश कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यालय आदेश संख्या 1508 दिनांक 6–2–26 द्वारा निम्न सदस्यों की समिति गठित की गयी थी जिसकी बैठक दिनांक 9–2–26 को आहूत हुई : 1. परीक्षा नियंत्रक अध्यक्ष 2. समन्वयक कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून सदस्य 3. प्रभारी कन्या गुरुकुल, हरिद्वार सदस्य 4. प्रो० नमिता जोशी सदस्य 5. प्रो० कर्मजीत भाटिया, सदस्य 6. प्रो० देवेन्द्र गुप्ता, सदस्य 7. प्रो० राकेश कुमार, सदस्य 8. श्री पंकज कुमार, संयोजक बैठक में ऑनलाइन/ऑफलाइन उपस्थित सदस्यों द्वारा निम्नवत संस्तुति की गयी **बिंदु संख्या–01** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए करिकुलम एंड क्रेडिट फ्रेमवर्क–2024 को प्रस्तुत किया गया जिसको शिक्षा पटल में शैक्षिक सत्र 2026–27 से अंगीकृत किये जाने की संस्तुति की गयी। **बिंदु संख्या–02** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए करिकुलम एंड क्रेडिट फ्रेमवर्क–2024 एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संलग्न पाठ्यक्रमों की संरचना पर समिति के सदस्यों द्वारा गहन विचार विमर्श के पश्चात समविश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026–27 से लागू किये जाने हेतु शिक्षा पटल के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किये जाने की संस्तुति की गयी। **बिंदु संख्या–03** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए करिकुलम एंड क्रेडिट फ्रेमवर्क–2024 एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की परीक्षा/मूल्याङ्कन नियमावली 2026 पर समिति के सदस्यों द्वारा गहन विचार विमर्श के पश्चात सैमविश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026–27 से लागू किये जाने हेतु शिक्षा पटल के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किये जाने की संस्तुति की गयी।

	बिंदु संख्या–04 के सम्बन्ध में प्रो राकेश कुमार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित Fostering Social Responsibility & Community Engagement in Higher Education Institutions in India 2.0 को स्नातक कक्षाओं के लिए चतुर्थ सेमेस्टर में वर्तमान शैक्षिक सत्र 2025–26 से Community Engagement के पाठ्यक्रम में लागू किये जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ0 राजकुमार भाटिया द्वारा प्रस्तावित किया गया कि ये विस्तृत प्रस्ताव हैं जिनका अध्ययन करने में समय लगेगा। अन्य सदस्यों ने कहा कि पी0जी0 फ्रेम वर्क यू0जी0सी0 के नियमानुकुल बनाया गया है जिससे संबंधित विभाग बी0ओ0एस0 बुलाकर पाठ्यक्रम को स्वीकृत करायेंगे। **उपर्युक्त बिन्दु संख्या 1,2,4 को यथावत स्वीकार किया गया।** **बिन्दु संख्या 03 के संबंध में मा0 कुलपति महोदया ने कहा कि समविश्वविद्यालय की परीक्षा के मूल्यांकन प्रणाली में बाह्य (ESE) एवं आन्तरिक (Sessional) परीक्षाओं के अंकों का अनुपात 70:30 होना चाहिए। अतः आगामी सत्र 2026–27 में होने वाली समस्त पाठ्यक्रमों (यू0जी0/पी0जी0/डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट) के लिए यह प्रणाली लागू की जाएगी। परीक्षा संबंधी विस्तृत नियमावली के लिए गठित समिति में डा0 राजकुमार, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग को भी सदस्य के रूप में सम्मिलित किया जाए।**
प्रस्ताव संख्या–11	**उप परीक्षा नियंत्रक द्वारा प्रेषित पत्र पर विचार :** सी.जी.पी.ए. से श्रेणी का निर्धारण करने हेतु नॉन सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रमों में प्रचलित श्रेणी को आधार मानकर निम्नवत किए जाने पर विचार प्रथम श्रेणी : सी.जी.पी.ए. $\geq$ 6.32 द्वितीय श्रेणी : सी.जी.पी.ए. 5.27 – 6.31 तृतीय श्रेणी : सी.जी.पी.ए. 4.21 – 5.26
	उक्त विषय सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।
प्रस्ताव संख्या–12	**उप परीक्षा नियंत्रक द्वारा प्रेषित पत्र पर विचार :** 1. समविश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में आयोजित विषम सेमेस्टर अथवा सम सेमेस्टर परीक्षा की अंतिम तिथि के 15 दिनों के भीतर मूल्यांकन कार्य सम्पन्न करना सुनिश्चित किया जाना है। इस हेतु परीक्षा संपादित के पश्चात् न्यूनतम 15 दिन तक सभी शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य हेतु उपलब्ध रहने की व्यवस्था कराये जाने के लिए प्रशासन स्तर से आदेश निर्गत किया जाना प्रस्तावित है जिससे कि परीक्षा परिणाम निर्धारित तिथि तक जारी किया जा सके। 2. परीक्षक–पैनल के अनुसार परीक्षकों को मूल्यांकन हेतु आमंत्रित किया जाता है। इस प्रक्रिया में प्रायः पैनल की सूची में अंकित परीक्षक निर्धारित अवधि में मूल्यांकन करने में असमर्थता व्यक्त करते हैं, अथवा अपने विश्वविद्यालय में व्यस्तता के कारण नहीं आ पाते हैं, जिसके कारण मूल्यांकन कार्य प्रभावित होता है और परीक्षा परिणाम घोषित होने में देरी होती है। अतः प्रस्ताव है कि इन परीस्थितियों में मूल्यांकन अधिकारियों को परीक्षक–पैनल के अलावा बाहर (आंतरिक/ बाह्य) सम्बन्धित विभागाध्यक्ष से परामर्श कर किसी अन्य को परीक्षक बुलाने की स्वतंत्रता प्रदान की जाये। 3. विषम एवं सम सेमेस्टर (Even & Odd Semester) परीक्षाओं की Repeat/Improvement परीक्षाएं एक साथ Supplementary/Repeat/Improvement नाम से प्रतिवर्ष जुलाई/अगस्त माह में सम्पन्न कराई जाए। **नोट :** इस वर्ष अंतिम सेमेस्टर में बैठने वाले छात्रों के लिए सम सेमेस्टर की रिपिट परीक्षाओं में बैठने की अनुमति दी जाए।
	बिन्दु संख्या 1–2 विषय सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। बिन्दु संख्या 3 पर पुनर्विचार किया जाना स्वीकार किया गया।
प्रस्ताव संख्या–13	गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में बी0ए0 (योग विज्ञान) एक विषय के रूप में छात्रों के लिये तथा कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून में छात्राओं हेतु बी0ए0 (योग विज्ञान) मैजर एवं एक विषय के रूप में तथा बी0एस–सी0 ऑनर्स योग विज्ञान पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने पर विचार।
	उक्त विषय सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।
प्रस्ताव संख्या–14	समविश्वविद्यालय में निम्न पाठ्यक्रम संचालित किए जाने पर विचार : (i) MSc Botany (ii) M.Sc. Zoology (iii) BA (ECONOMICS for Girls) (iv) B.Com.
	उक्त विषय सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।
प्रस्ताव संख्या–15	पुनः दया अवसर दिए जाने पर विचार।
	उक्त विषय सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

कुलसचिव/संयोजक

अध्यक्ष की अनुमति से अन्य प्रस्ताव

पूरक प्रस्ताव संख्या– 01	ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विभाग में एक वर्षीय वास्तुविज्ञान और ज्योतिर्विज्ञान पी0जी0 डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने पर विचार। उक्त विषय सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।
पूरक प्रस्ताव संख्या– 02	बोर्ड ऑफ स्टडीज की कार्यवाही का अनुमोदन। क्र0सं0 | विभाग 1. | B.Sc. (Chemistry) उक्त विषय सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।
पूरक प्रस्ताव संख्या– 03	**समविश्वविद्यालय में निम्न पाठ्यक्रम संचालित किए जाने पर विचार :** **योग विज्ञान विभाग** पंचकर्म विधि डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान (डिप्लोमा) पाठ्यक्रम बी0एन0वाई0एस0 Bachelor of Naturopathy & Yogic Science) पाठ्यक्रम चिकित्सा (OPD) डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून बी0ए0/बी0एस–सी0 (योग विज्ञान) पाठ्यक्रम **कम्प्यूटर विज्ञान विभाग** बी0सी0ए0 (BCA) पाठ्यक्रम **अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय** B.Tech. (AI and Robotics) सम्पुष्टि हेतु **स्वामी श्रद्धानन्द स्वास्थ्य केन्द्र** Pathology Lab की स्थापना **PG COURSES :** M.Sc. Food Technology and Nutrition M.Sc. Zoology M.Sc. Pharmaceutical Chemistry M.Sc. Botany M.Sc. Computer Science M.Sc. Nanoscience and Nanotechnology **UG COURSES :** B.Sc. Forensic Science and Criminology B.A. Music B.Tech/M.Tech Engg. (Robotics and Automation) BA Economics B.Com B.Sc. Biomedical Engg. **DIPLOMA** Diploma (WP) in Electrical and Engg. Diploma in Food Safety and Quality **अन्य** : समविश्वविद्यालय में शुद्धि प्रोग्राम संचालित किए जाने पर विचार।
	उपर्युक्त सभी पाठ्यक्रम यथावत् स्वीकृत किए गए। समविश्वविद्यालय में शुद्धि प्रोग्राम संचालित किए जाने पर मा0 कुलपति प्रो0 प्रतिभा मेहता लूथरा ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द महाराज जी ने आगरा से इस आंदोलन का शुभारम्भ किया था। सभी अध्यापकों को अपने स्तर से इस कार्यक्रम को नया आयाम देना चाहिए।
पूरक प्रस्ताव संख्या– 04	समविश्वविद्यालय में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित किए जाने पर विचार।
	उक्त के संदर्भ में प्रवेश प्रक्रिया के निदेशक प्रो0 कर्मजीत भाटिया ने सदन को अवगत कराया कि सी.यू.ई.टी. की परीक्षा को लागू करने के लिए पूर्व में एक बैठक आहुत हो चुकी है। मगर मा0 कुलपति ने कहा कि सी.यू.ई.टी. का परिणाम काफी विलम्ब से आता है

	इसलिए छात्र/छात्राओं के प्रवेश अधिक संख्या में नहीं हो पाते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए समविश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा आयोजित कर सकता है। उक्त परिप्रेक्ष्य में प्रो0 कर्मजीत भाटिया ने कहा कि सी.यू.ई.टी. को लेकर पहले से ही एम0बी0ए0 और बी0टैक प्रवेश की प्रक्रिया को अलग रखा गया है। अन्य पाठ्यक्रमों में सी.यू.ई.टी. के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया को पूर्ण किया जाता है। अन्त में मा0 कुलपति जी ने कहा कि विभागीय प्रवेश परीक्षा/अर्हक परीक्षा के प्राप्तांकों/सी0यू0ई0टी0 परीक्षा के प्राप्तांकों से बनी मेरिट सूची के अनुसार किये जायेंगे। सत्र 2026–27 के लिए प्रवेश पंजीकरण शुल्क रु० 200/– किए जाने की संस्तुति की गयी।
पूरक प्रस्ताव संख्या– 05	समविश्वविद्यालय में संचालित पी–एच0डी0 कोर्स वर्क पाठ्यक्रम ऑनलाईन किए जाने पर विचार।
	सदन द्वारा उक्त प्रस्ताव अस्वीकार किया गया।
पूरक प्रस्ताव संख्या– 06	समविश्वविद्यालय में वर्ष 2026 की अवकाश सूची का अनुमोदन।
	सदन द्वारा उक्त प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।

कुलसचिव/संयोजक